



सर्पदंशके उपचार कैना नगहर गुरुवाके भर

अट्वारी ओ तीजके अवसरमे 'के गाउँ'मे फुटबल प्रतियोगिता हुइना

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, १७ सावन । कैलालीके ग्रामीण क्षेत्रमे सर्पदंशके उपचार कैना नगहर गुरुवाके भर पर्ना परिपाटी आभिन कायमे रहल बा ।

साँप काटल बिरामीहे उपचारके लाग समयमे अस्पताल नैपुगैलेसे अकालमे ज्यान जैना कैलेसे फेन ग्रामीण क्षेत्रमे आभिन भारफुकमे विश्वास कैना कार्य हुइटी रहल बा । उपचारके लाग तुरुन्त अस्पताल वा सर्पदंश उपचार केन्द्र लेजाइ पर्ना चेतनाके विकास ओ लग्गे अस्पताल नैहोके नगहर गुरुवाके भर पर्ना कार्य हुइटी रहल हो ।

कतिपय अस्पताल वा सर्पदंश उपचार केन्द्र लग्गे नैरहल कारण भारफुकसे उपचारके लाग नगहर गुरुवाके भर परे पर्ना बाध्यता रहल बा । कतिपय भर अज्ञानताके कारणसे नगहर गुरुवाके वहाँ पुगना करल बटै ।

बिसहा साँप काटलमे चिकित्सक आपन निगरानीमे एन्टिस्नेकभेनम डेके उपचार कैना करटे । ओस्टके, सर्पदंशके बिरामीहे भेन्टिलेटरमे राखके उपचार कैना



आवश्यक रहट् । मने, अस्पतालके पहुँचसे दुर रहल ओ अज्ञानतामे रहल बासिन्दा भर सर्पदंश उपचारके लाग नगहर गुरुवाके भारफुकमे भर परटी रहल बटै । भारफुकमे भर परेबर कतिपय बिरामीके ज्यानसमेत जासेकल बा ।

कैलालीके लक्कर, बनकट्टा, बेनौली, दुधिया, पृथ्वीपुर, टप्पा, जोशीपुर लगायतके गाउँमे नगहर गुरुवा रहल जनाइल बा । यी गुरुवा आपन यहाँ आइल सर्पदंशके बिरामीहे

भारफुकसहित बिस चुसके उपचार कैटी आइल बटै । कैलारी गाउँपालिका-२ लक्कर गाउँके नगहर गुरुवा रामप्रसाद पछलङ्गया जट्टा बिसरा साँप कट्लेसे फेन समयमे आइल बिरामीहे आपन समूहसे चोखवाइना करल जिकिर करलै । विगत ५० बरससे आपन समूहसे साँप काटलमे बिस चुहुकके उपचार कैटी आइल जनैटी उहाँ अब्बेसम ढेर जनहनहे ठीक पारल उल्लेख करलै । “कैलालीमे हम्मे दुई सय जट्टा नगहर गुरुवा बिस

चुहुकके उपचार कैना कार्य कैटी आइल बटै”, पछलङ्गया कहलै ।

कैलालीमे सेती प्रादेशिक अस्पताल धनगढी, मालाखेती अस्पताल, अत्तरिया, टीकापुर अस्पताल, टीकापुर ओ गौरीगंगा नगरपालिकाके बहैपुरस्थित नेपाली सेनाके राष्ट्रिय विकास गण दल व्यापारस्थित बहैपुर सर्पदंश उपचार केन्द्रमे सर्पदंशके उपचार हुइटी आइल बा । सर्पदंशके उपचार सुविधा रहल अस्पताल ओ उपचार केन्द्र प्रायः सहरी ओ सुविधा रहल क्षेत्र ओर किल रहल बावै । गाउँघर ओर साँप काटलमे बिरामी अस्पताल नैजाके उपचारके लाग आपन यहाँ अइना करल कैलारी गाउँपालिका-६ बेनौलीके नगहर गुरुवाके अगुवा तेजराम चौधरी बटैलै । उहाँ चार दशकसे यी काम कैटी आइल जनैटी बिस चुहुकके कैयौंके ज्यान बचासेकल उल्लेख करलै ।

सेती प्रादेशिक अस्पतालके वरिष्ठ फिजिसियन डा. शेरबहादुर कमर सर्पदंशके बिरामीहे उपचारके लाग सेकटसम हाली पायक पर्ना अस्पतालमे पुगैना आग्रह करलै । भारफुकमे भरपरबर सर्पदंशके ढेर बिरामी अकालमे ज्यान गुमैना करल उहाँके कहाइ रहल बा ।



पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १७ सावन । कैलालीके कैलारी गाउँपालिका ४ के गाउँस्थित खेलमैदानमे २६ औं निसर्ग फुटबल पुरुष तथा महिला प्रतियोगिता २०८२ हुइना बा ।

न्यु युवा सुन्दर शक्ति क्लवके आयोजनामे थारु समुदायके मौलिक पर्व अट्वारी ओ हिन्दु नारीहुकनके महान पर्व तीजके अवसरमे प्रतियोगिता हुइना हुइल हो ।

आयोजक क्लवसे शनिचर्चके रोज पत्रकार सम्मेलन करटी प्रतियोगिताबारे जानकारी कराइल हो । क्लवके अध्यक्ष बुक्षलाल चौधरीके अनुसार भदौ १ गतेसे १२ गतेसम सञ्चालन हुइना प्रतियोगितामे १६ ठो पुरुष टीम ओ ८ ठो महिला टीमके सहभागिता रना जनैलै ।

प्रतियोगिताके विजेताहे पुरुषओर नगद एक लाख प्रदान कैना बा कलेसे

उपविजेताहे ५० हजार प्रदान कैना आयोजक क्लव जनैलै बा । ओस्टके करके महिलाओरके विजेताहे २५ हजार ओ उपविजेता टीमहे १५ हजार प्रदान कैना क्लवके अध्यक्ष बुक्षलाल बटैलै ।

प्रतियोगितामे इन्टी शुल्क पुरुष टीमहे ६ हजार ५ सय ओ महिला टीमहे २ हजार ५ सय कायम करल बा ।

यिहे बीच कैलारी गाउँपालिका ४ के वडाध्यक्ष ठागुराम चौधरी खेलकुदमार्फत व्यक्तिके अपन व्यक्तित्व विकास करेसेवना बटैलै । खेलकुदमार्फत अपनहे चिन्हेताके साथै शारीरिक स्वास्थ्यके लाग खेलकुद महत्वपूर्ण रहल उहाँक कहाइ बा । उहाँ कहलै, गाउँघरमे रहल यूवाहुकनमेफे ढेर बा । प्रतियोगिता हुइलपाछे यूवाहुकन आपन उप्पर नुकल प्रतिभा देखेना अवसर पैटै । खेलकुडसे युवाहुकन आपनहे दक्ष(बाँकी ३ पेजमे)

बैतडी समाजसे रक्तदान कार्यक्रम

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, १७ सावन । कैलालीमे शनिचर्चके हुइल रक्तदान कार्यक्रममे १८७ पिन्ट रगत संकलन हुइल बा । कुछ समयसे रगत अभाव हुइल जानकारी पाइलपाछे यहाके कुछ संघसंस्थाहे रक्तदान कार्यक्रमके आयोजना कैके रगत

संकलन करल हो ।

धनगढीमे बैतडी समाज कैलालीसे आयोजना करल रक्तदान कार्यक्रममे ९१ जाने रक्तदान करले बटै । रक्तदान कार्यक्रम संयोजक बिर बहादुर महरासे डेहल जानकारी अनुसार बैतडी समाजसे प्रत्येक ६/६ महिनामे रक्तदानके कार्यक्रम

आयोजना कैटी आइलमे बावै । उहीसे आधे शुक्रके बैतडी समाजसे धनगढी चौराहासे पार्कचोकसम रक्तदान सचेतना र्यालीके समेत आयोजना करल रहे । ओस्टके गौरीगंगा नगरपालिका ८ बहैपुरमे आयोजित रक्तदान कार्यक्रममे ६३ जाने रक्तदान (बाँकी ३ पेजमे)



थारु टेलिभिजन प्रालि

धनगढी-८, कैलाली

कर्मचारी आवश्यकता सम्बन्धी अत्यन्त जरुरी सूचना

प्रथम प्रकाशित मिति: २०८२/०४/१२

थारु टेलिभिजन प्रालिमा रिक्त रहेको सम्पादक पद खुल्ला प्रतियोगिताबाट पदपूर्ति गर्न आवश्यक भएकोले निम्न योग्यता पुगेको इच्छुक महानुभावबाट दरखास्त आह्वान गरिन्छ ।

- १) विज्ञापन नं.: १/०८२/०८३
- २) पद: सम्पादक
- ३) योग्यता: पत्रकारिता विषय लिई स्नातक तह उत्तीर्ण
- ४) उमेर: १८ वर्ष पुरा भई ३५ वर्ष ननाघेको ।
- ५) दरखास्त दिने अन्तिम मिति: २०८२/०४/१८ गते ।
- ६) दरखास्त दस्तुर: रु.३००१- (तीन सय मात्र)
- ७) सम्पर्क मिति: २०८२/०४/१९ गते ।
- ८) अन्तर्वार्ता मिति: सम्पर्क मितिमा तोकिएको ।
- ९) तलब: थारु टेलिभिजनको नियमानुसार ।

पदपूर्ति समिति

थारु टेलिभिजन प्रालि, धनगढी

Shaileshwori Farwest School of Health Science & Technology Dhagnadhi, Kailali

आवेदन फाराम भर्ने सम्बन्धी सूचना

उपरोक्त सम्बन्धमा प्रा.शि. तथा व्या.ता. परिषदबाट मिति २०८२/०४/०५ गतेको प्रकाशित सूचना अनुसार शैक्षिक सत्र २०८२/०८३ का लागि यस क्याम्पसमा सामान्य चिकित्सा, ल्याब टेक्निसियन र डिप्लोमा इन फार्मेसी कार्यक्रममा भर्ना अनलाइन आवेदन फाराम खुलेको व्यहोरा जानकारी गराइन्छ ।

अनलाइन आवेदन फाराम भर्ने तथा बुझाउने सम्बन्धी व्यवस्था:

- आवेदन फाराम शुल्क: १०००/- (एक हजार मात्र)
- अनलाइन आवेदन फाराम भर्ने मिति: २०८२ श्रावण ०६ गतेदेखि
- अनलाइन आवेदन फाराम भर्ने अन्तिम मिति: २०८२ श्रावण २५ गतेसम्म
- अनलाइन आवेदन फाराम सम्बन्धमा: अनलाइन आवेदन फाराम www.ctevtexam.org.np मा उपलब्ध गराइएको ITMS Online मा भरी Submit गर्नुपर्नेछ ।
- अनलाइन आवेदन बापतको शुल्क फाराम भर्दाको समयमा नै Connect IPS वा Khalti Digital Wallet प्रयोग गरी रकम बुझाउनु पर्नेछ ।

अनलाइन आवेदन फाराम भर्ने चाहिने आवश्यक कागजातहरू:

- रंगिन फोटो 35mmx45mm साइज (२) प्रति
- SEE नतिजा Online बाट प्रिन्ट गरेको (यसै सालमा SEE नतिजा प्रकाशितको हकमा)/पुरानो SEE/SLC को हकमा सक्कल मार्कसिट ।
- SEE सक्कल प्रवेशपत्र (यसै सालमा SEE नतिजा प्रकाशितको हकमा) ।
- चारित्रिक प्रमाणपत्र (Character Certificate) सक्कल ।
- जन्मदर्ता वा नेपाली नागरिकता सक्कल ।
- TSLC को हकमा SEE/SLC/TSLC अध्ययन गरेको सम्पूर्ण शैक्षिक कागजातहरू सक्कल ।
- लक्षित वर्गको हकमा सो खुले आवश्यक प्रमाणपत्र ।
- शिक्षालयले अनलाइन आवेदन फाराम भर्ने सम्बन्धमा आवेदक विद्यार्थीहरूलाई सहजीकरण गर्न सक्नेछ ।
- सामान्य चिकित्सा (४०) मेडिकल ल्याब टेक्नोलोजी (३०) र डिप्लोमा इन फार्मेसी (४०) जनाको सिट सीमित छ ।
- सम्पर्क नं. ९८५८४२३५०६/०९१-५२९३०५

विमला पौडेल
क्याम्पस प्रमुख

स्तनपान गराऔं, बालस्वास्थ्यमा सुधार गरौं ।

- ❖शिशु जन्मिएपछि जतिसक्दो चाँडो (१ घण्टाभित्र) आमाको (विगौती) दुध खुवाऔं,
- ❖जन्मेदेखि ६ महिना पुरा नभएसम्म आमाको दुधमात्र खुवाऔं,
- ❖६ महिना पुरा भएपछि उमेर अनुसार पूरक खानाका साथै कम्तिमा २ वर्ष सम्म निरन्तर स्तनपान गराऔं,
- ❖आमाको दुध शिशुको लागि अमृत समान हो र यसले शिशुको रोगसँग लड्न सक्ने क्षमतालाई बढाउँछ,
- ❖स्तनपानले महिलाहरुमा स्तन क्यान्सर र पाठेघरको क्यान्सर हुने जोखिमलाई कम गर्दछ,
- ❖चिकित्सकको सल्लाह बिना शिशुलाई आमाको दुध बाहेक अन्य कुनै किसिमको दुध नखुवाऔं,
- ❖सकेसम्म दुधदानी वा बोतलको दुध प्रयोग नगरौं,
- ❖स्तनपान सम्बन्धी उचित परामर्श तथा थप जानकारीका लागि नजिकैको स्वास्थ्य संस्था वा महिला सामुदायिक स्वास्थ्य स्वयंसेविकालाई सम्पर्क गरौं ।

विश्व स्तनपान सप्ताह सफल पारौं ।



नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित

सठपाढक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)

कार्यकारी सठपाढक : राम दहित (९८४८४९४५८)

भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी

पहुडा सठपाढक : कृष्णराज सर्वहारी

कागूनी सल्लाहकार : अधिवक्ता जोहारीलाल चौधरी

व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी

प्रधान कार्यालय: धन.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)

मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)

हसुलिया शाखा: नरेन्द्र चौधरी (९८४८५४३०३६)

पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी

E-mail: dailypahura@gmail.com,

Website: pahura.com

मुद्रक : समेजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

चक्कु प्रहार कैके युवतीके हत्या

पहुरा समाचारवाता
धनगढी, १७ सावन । कैलालीमे सेकुवा सेन्टरमे कार्यरत एक युवतीके चक्कु प्रहार कैके हत्या करल बा ।
कैलालीके बर्दगोरिया गाउँपालिका-१ मे रहल राजधानी सेकुवा एन्ड मःमः सेन्टरमे कार्यरत बर्दगोरिया गाउँपालिका-३ के १७ वर्षीया याचना सेजवालके चक्कु प्रहार कैके हत्या हुइल प्रहरी जनैले बा ।
जिल्ला प्रहरी कार्यालयके प्रवक्ता प्रहरी नायब उपरीक्षक (डीएसपी)

राजकुमार सिंह शनिचरके सकारे करिब १० बजे ओर सेजवालउपर उहे सेकुवा एन्ड मःमः सेन्टरमे काम करइया बर्दगोरिया-१ के ३३ वर्षीय नृप साउद चक्कु प्रहार करल बटैलै ।
चक्कु प्रहारसे गम्भीर घाहिल हुइल सेजवालहे उपचारके लाग धनगढीके निसर्ग हस्पिटल लालन रहे । उपचारके क्रममे उहाँके मृत्यु हुइल हो । चक्कु प्रहार करइया साउदहे प्रहरी नियन्त्रणमे लेले बावै । घटनाबारे अनुसन्धान हुइटी रहल प्रहरी जनैले बावै ।

राजधानी सर्ना कसरत: स्थानीयके विरोध

पहुरा समाचारवाता
धनगढी, १७ सावन । सुदूरपश्चिम प्रदेश सभाके दुई तिहाइ प्रदेशके राजधानी कैलालीके गोदावरी टोकल सात बरस पुगे लागल बा । २०७५ कँवार १२ गते दुई तिहाइ बहुमतसे प्रदेशके राजधानी गोदावरी नगरपालिका-२ ओ ४ मे टोकल रहे । प्रदेश सभासे राजधानी टोकल स्थानमे भौतिक संरचना निर्माण हुइ सेकल नैहो । प्रदेश सरकार अब्बेसम अस्थायी राजधानी धनगढीसे कामकाज करटी रहल बा ।
गोदावरी क्षेत्रमे राजधानी निर्माणके विषयमे चासो डेहे छोरल प्रदेश सरकारसे पाछेक कुछ दिन यहेर भर राजधानी धनगढी सर्ना बहस सुरु करले बा । राजधानी गोदावरी हुइ कहिके खुसी हुइल यी क्षेत्रके स्थानीय अब्बे सर्ना विषयसे प्रवेश पाइलपाछे चिन्तित हुइल बटै । संघर्ष समन्वय समितिके संयोजक नैनबहादुर बोगटी गोदावरी राजधानी नैहुइ कलेसे यी क्षेत्रके जनता चुप लागके नैबैठ्ना कहटी राजधानी कायम नैहुइलेसे जनप्रतिनिधिहे रोक लगैनासे सुदूरपश्चिम ठप्प पर्नासमके चेतावनी डेले बटै । उहाँ सात बरस आघे राजधानी टोकल ठाउँमे कार्यान्वयन हुइ परी कना एकठो किल माग रहल बटैलै ।
यहेर मुख्यमन्त्री कमलबहादुर शाह राजधानी टोकल गोदावरीमे हालसम फेन काम सुरु नैहुइलपाछे राजधानीके विषयमे विकल्प सोचे पर्ना बेला आइल बटैलै । सद्नीयताके जग बलगर बनाइक लाग फेन आब सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे राजधानीके विषयमे ढिला नैकरे पर्ना उहाँके कहाइ रहल बा । मुख्यमन्त्री शाह अब्बे विकल्पके रुपमे रहल धनगढीमे बन्वा

फेन मासे नैपर्ना ओ आवश्यक पर्ना जमिन प्रशस्त रहल उल्लेख कैटी उपयुक्त ठाउँ धनगढी नै रहल कहिके छलफल सुरु हुइल बटैलै । उहाँ यी विषयमे कांसेस सभापति शेरबहादुर देउवा, एमालेके अध्यक्ष तथा प्रधानमन्त्री केपी शर्मा ओली ओ माओवादी केन्द्रके अध्यक्ष पुष्पकमल दाहाल ‘प्रचण्ड’ सँग छलफल करसेकल बटैलै ।
यहेर प्रदेश सरकारके दुई तिहाइ बहुमतसे करल निर्णय कार्यान्वयन कैनाके साटो राजधानी सर्ना चलखेल चललपाछे गोदावरीके स्थानीय विरोधमे उटरल बटैलै । स्थानीय राजधानी गोदावरीमे कार्यान्वयन कैना दबाब डेहक लाग चरणबद्ध कार्यक्रम आयोजना हुइ लागल बटै ।
गोदावरी नगरपालिका-२ के स्थानीय किसानसिंह साउद राजधानी सर्ना निर्णय स्वीकार्य नैहुइना बटैलै । सरकारसे अपनहे करल निर्णयविरुद्ध जाइ कलेसे जैसिन फेन कदम चल्ना बटैलै । ओस्टके स्थानीय सावित्री पन्त सापकोटा गोदावरीमे राजधानी हुइ कहिके पहाडसे बसाईसराइ कैके आइल बटैली । अब्बे राजधानी सर्ना बातसे दुःखित बनाइल उहाँके कहाइ रहल बा ।
ओस्टके औरै स्थानीय लालबहादुर खड्का राजनीतिक पूर्वाग्रहके कारण राजधानी सर्ना प्रयत्न हुइल बटैलै । उहाँ गोदावरीवासीहे आन्दोलन कैना बाध्य नैबनैना प्रदेश सरकारहे अप्रह करलै । गोदावरीके वनक्षेत्र मासजैना कहटी गोदावरीमे राजधानी रख्ना निर्णयविरुद्ध २०७५ सालमे सर्वोच्च अदालतमे मुद्दा परल रहे । मुद्दा मामिलाके कारण प्रदेश सभासे टोकल स्थायी राजधानी गोदावरीमे काम आघे बहे नैसेकल प्रदेश सरकारुसे बटैटी आइल बा ।

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनैके

सीप सिकी, स्वरोज्जगरा बनी विद्यार्थी ओ गुणमे अउईयाहुकनहे विशेष छुटसहित... हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुकनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोट: साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु तिकाह विद्यार्थीहुकनहे सम्पर्क कैना सर्वह जानकारी कराइटी ।

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोन. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपननेके फे लिख्के पठाइ सेकि । अपनके विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पकि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ ।

-सम्पादक

रंगमञ्चके पहिचान सुरक्षा

नेपाली रंगमञ्चके मूल जरा नेपालके मौलिक लोकसंस्कृति, धार्मिक आस्थासँग जोरल बा । किराँत, नेवार, मगर, थारू जैसिन आदिवासी जातिके देवता आराधना, संस्कार ओ चाडपर्वसँग सम्बन्धित लोकनाट्यसे नेपाली भूमिमे नाटकीय संस्कृतिके बीजारोपण करलै । विशेषतः नेवार समुदायके ‘घँतु’, ‘नवदुर्गा’, ‘देव नाच’, ‘स्वांग’ आदि नाट्य रूपसे प्रदर्शनकला ओ कथावाचनके समृद्ध परम्परा देखैटि । यिहिन्हे प्राचीन नेपाली लोकनाटकके रूप माने सेक्जाइ । नेपाली भाषामे लिखित नाटकके इतिहास भर आधुनिककालसे सुरु हुइठ । विसं १९५७ मे राजा प्रताप मल्लसे काठमाडौँके हनुमानढोका दरबारमे संस्कृत नाटक मञ्चन करल उल्लेख बा । यिहिन्से करिब दुई शताब्दीपाछे किल नेपाली भाषामे मौलिक नाटक लेखल डेखाइठ ।

बालकृष्ण सम विसं १९९७ मे लेखल ‘मुटुको व्यथा,’ ‘मुकुन्द इन्दिरा,’ ओ ‘अन्धविश्वास’ जस्टे नाटक नेपाली भाषामे सामाजिक चेतनासँग जोरल नाट्य रचना मानजाइठ । यीपाछे विसं २०१०-२०३० के अवधिमे भीमनिधि तिवारी, लक्ष्मीप्रसाद देवकोटा ओ गोपालप्रसाद रिमाल जस्टे साहित्यकारसे नाटक लेखनमे महत्वपूर्ण योगदान डेहल । यी समयसम फेन नाटक दरबारी, शास्त्रीय ओ पुस्तक केन्द्रित रहे । मञ्चन भर अभिन सुरु हुइना बाँकी रहे । नेपाली रंगमञ्चके सक्रिय मञ्चन इतिहास विसं २०२० के दशकसे सुरु हुइल मानजाइठ ।

नेपाल प्रज्ञा-प्रतिष्ठानके स्थापना विसं २०१८ ओ राष्ट्रिय नाचघर स्थापना २०३० मे हुइलसँगै सरकारी रूपमे नाटक मञ्चनके सुरुवाट हुइल । यीबेला विजय मल्ल, प्रचण्ड मल्ल, अशेष मल्ल, ओ हरिहर शर्मा जैसिन रंगकर्मीसे लेखन ओ मञ्चन दुनुमे सशक्त उपस्थिति देखैलै । यी समय सांस्कृतिक संरक्षण ओ विकासके औरै महत्वपूर्ण चरण रहे । प्रज्ञा-प्रतिष्ठानसे साहित्य, भाषा, कला ओ संस्कृतिके संरक्षण तथा प्रवर्धन करना जिम्मेवारी सम्भारल रहे ओ रंगमञ्चसँग सम्बन्धित अनुसन्धान, दस्तावेजीकरण ओ सांस्कृतिक कार्यक्रमहे प्रवर्धन करना क्षेत्रमे प्रज्ञा-प्रतिष्ठानसे महत्वपूर्ण भूमिका खेल्ति आइल रहे मने दुनु संस्था नाचघर ओ प्रज्ञा-प्रतिष्ठानसे नेपाली रंगमञ्चहे राष्ट्रिय पहिचान डेना ओ संरक्षण करना दायित्व बोक्के फेन अभिन दस्तावेजीकरण, प्रविधि विकास ओ दीर्घकालीन योजना बनाइपरना आवश्यकता टड्कारो रूपमे डेखाइल बा । यी संस्थासे सशक्त समन्वय ओ लगानी करल नेपाली रंगमञ्चके इतिहास ओ समृद्ध परम्परा सुरक्षित करना काम थप प्रभावकारी बनल बा ।

विसं २०४० पाछेक दशकमे नयाँ पुस्ताके रंगकर्मी जस्टे सुनिल पोखरेल, अनुप बराल, नवराज बुढाथोकी, कृष्ण शाह यात्री, विजय विस्फोट, प्रकाश घिमिरे, पुस्कर गुरुङ आदि मञ्चनमे सक्रिय बटै । उहाँहुके ‘थिएटर इन एजुकेशन’ के साथे नयाँ प्रविधिमे आधारित दृश्य-श्रव्य प्रयोग आदि

समावेश करटि नाटकहे अन्तर्राष्ट्रिय शैलीमे विकास करलै । यिहे दशकसे नेपाली थिएटर राजधानीमे किल सीमित नैहोके पोखरा, धरान, विराटनगर, बुटवल, धनगढीलगायतके सहरमे फेन व्यक्तिगत पहल ओ संघ संस्थामार्फत नाटक प्रदर्शन करना हल स्थापना हुइल रहे । २०६०-२०७० के दशक नेपाली रंगमञ्चके लाग नयाँ जागरण ओ प्रयोगके कालखण्ड रहल । यी समयमे सामाजिक, राजनीतिक ओ सांस्कृतिक रूपान्तरणके मुद्दाहे केन्द्रमे ढैके नाटक लेखन, मञ्चन ओ संस्था निर्माणमे उल्लेखनीय वृद्धि हुइल पाजाइठ । निशा शर्मा, राजन खतिवडा, विमल सुवेदी, सिर्जना सुब्बा, सरिता गिरी, पशुपति राई ओ घिमिरे युवराज, दयाहाङ राई, केदार श्रेष्ठ, आकांक्षा कार्की जैसिन कलाकार रंगमञ्चहे नयाँ दिशा डेना उल्लेखनीय भूमिका निर्वाह करलै ।

समकालीन नेपाली रंगमञ्चके

आबके आवश्यकता कलेक रंगमञ्चके सक्कु सामग्रीहे योजनाबद्ध तरिकासे संकलन, वर्गीकरण, संरक्षण ओ प्रवर्धन करना हो । यकर लाग सरकारी, गैरसरकारी, शैक्षिक संस्था, कलाकार समुदाय तथा सञ्चार माध्यम सबके समन्वयात्मक प्रयास अपरिहार्य बा । साभा जिम्मेवारीके रूपमे लेहल अइसिन पहलसे ना केवल हमार नाट्य परम्पराहे पुनर्जीवित करल बा, हमार सांस्कृतिक पहिचानहे फेन बलगर बनल बा । यथोचित पहल करजाइ कलेसे नेपाली रंगमञ्च केवल एक स्मृति नैहोके भविष्यके पुस्ताके लाग प्रेरणा ओ गर्वके अमूल्य सांस्कृतिक सम्पदा बने सेकल बा । नेपाली रंगमञ्चके दस्तावेजीकरण केवल एक सांस्कृतिक आवश्यकता नैहो, यी हमार इतिहास, पहिचान ओ सामूहिक स्मृतिके सुरक्षा हो । हम्मे आज उचित कदम चालल कलेसे रंगमञ्च केवल विगतके गौरव नैहोके भविष्यके प्रेरणाके स्रोत बने सेकि ।

विकासमे मन्डला थिएटर, शिल्पी थिएटर, कौसी थिएटर ओ शैली थियटर जैसिन स्वतन्त्र नाट्य संस्था अग्रणी भूमिका खेलल बा । यथार्थवादी, सामाजिक तथा राजनीतिक विषयवस्तुमे आधारित नाटकके नियमित मञ्चन करना, रंगकर्मीहे प्रशिक्षण, अन्तर्क्रिया ओ सिर्जनात्मक अभिव्यक्तिके मञ्च प्रदान करटि, नेपाली रंगकला नयाँ पुस्ताहे समाहित करटि, रंगकर्ममे विविधता ओ नवीनता भित्रैना यी संस्थासे शास्त्रीय शैलीसे यथार्थवादी तथा प्रयोगवादी नाटकसम विविध प्रस्तुति डेके नेपाली रंगमञ्चके व्यापक विस्तारमे महत्वपूर्ण भूमिका खेलल बा । २०६०-२०७० के दशकके यी योगदानसे आजके समकालीन रंगमञ्चके आधार तयार परना भारी मद्दत पुगैले बा ।

नेपाली रंगमञ्चसे हमार सांस्कृतिक पहिचान ओ सामाजिक चेतनाके अभिवृद्धिमे महत्वपूर्ण भूमिका खेलल बाटहे नकारे नैसेक्जाइठ । यद्यपि रंगमञ्चके इतिहास ओ विकासक्रम समृद्ध रटिरटि फेन यकर दस्तावेजीकरण भर एकडम अधुरा बा । यकर अवस्था समग्र रूपमे हेरके कमजोर, असंगठित ओ विखण्डित डेखाइठ । अधिकांश नाटकके स्क्रिप्ट, मञ्चनसम्बन्धी सामग्री,

कलाकारके जीवनी ओ सन्दर्भ विवरण व्यक्तिगत प्रयासमे सीमित बा । रंगकर्मी अपन अनुभव, अभिलेख ओ मञ्चनके सामग्री घरमे ढरल बा मने उ सामग्री ना टे व्यवस्थित बा, ना टे लम्मा समयसम सुरक्षित रहना सुनिश्चितता बा । औरैओर, संस्थागत तहमे फेन अपेक्षाकृत कम चास डेखाइठ । राष्ट्रिय प्रज्ञा-प्रतिष्ठान, सांस्कृतिक विभाग वा नेपाल संगीत तथा नाट्य प्रज्ञा-प्रतिष्ठान जैसिन निकाय कुछ दस्तावेजीकरणके पहल करलेसे फेन ओइने ना टे समग्र बा, ना टे अद्यावधिक ।

संरचनागत योजना, डिजिटल अभिलेख बनैना दीर्घकालीन सोच, अनुसन्धानकर्ता ओ सर्वसाधारणहे खुला पहुँच डेना व्यवस्था अभिन कमजोर बा । गैरसरकारी संस्था, रंगमञ्चसम्बन्धी समूह वा मञ्चसे फेन अभिलेखीकरण प्रयास हुइल बा मने ओम्ने स्रोतके अभाव, प्रविधिके सीमितता ओ नीति निर्माणके

कमी झल्ककठ । अइसिके हेरके, नेपाली रंगमञ्चके धरोहर अभिन फेन व्यक्तिगत प्रयास ओ सम्भन्नामे किल सीमित होके भविष्यमे यकर ऐतिहासिक महत्व ओ झलमे परना जोखिम रहठ । दस्तावेजीकरणके मजबूत आधार नैबनाइटसम ना टे आघेक पुस्ताके योगदानके मूल्यांकन करे सेक्जाइ, ना टे नयाँ पुस्ताहे सशक्त आधार प्रदान करना । यी सब कारणसे नेपाली रंगमञ्चके समृद्ध इतिहासहे सुसंरक्षित रूपमे भविष्यके पुस्ताहे हस्तान्तरण करना कार्य चुनौतीपूर्ण बनल बा ।

नेपाली रंगमञ्चके समृद्ध परम्परा ओ इतिहासहे दीर्घकालीन रूपमे सुरक्षित करना तथा दस्तावेजीकरणहे व्यवस्थित बनैना दिशा स्पष्ट बा मने ओकर लाग ठोस कदम चल्न जरूरी बा । पहिल ओ अत्यावश्यक कार्य कलेक रंगमञ्चसँग सम्बन्धित सक्कु अभिलेखके डिजिटल संरक्षण हो, ओम्ने पुरान नाटक स्क्रिप्ट, मञ्चनके तस्बिर तथा भिडियो, कलाकारके जीवनी, अन्तर्वाता, समीक्षात्मक लेख तथा समाचार सामग्री एकीकृत डिजिटल प्लेटफर्म वा संग्रहालयमे उपलब्ध कराइ परठ । अइसिन अभिलेखनसे किल नैहोके, शोध तथा अध्ययनमे समेत महत्वपूर्ण आधार

विचार दीपा बस्नेत

तयार परल बा ।
दोसर, विश्वविद्यालय ओ अनुसन्धान संस्थानसे रंगमञ्चसम्बन्धी विषयमे पाठ्यक्रम निर्माण, अनुसन्धानवृत्ति तथा परियोजनात्मक कार्य आगे सारे परठ, यिहिन्से इतिहास, सामाजिक प्रभाव, मौलिकताके विकास ओ सांस्कृतिक आन्दोलनके रूपमे रंगमञ्चहे लगगेसे अध्ययन करना सघाइठ । तेसर, मौलिक सिर्जनात्मकतामे योगदान डेना कलाकार, लेखक, निर्देशक तथा प्राविधिकहे राज्यस्तरीय अनुदान, सम्मान तथा अवसर डेना जरूरी बा । यिहिन्से सिर्जनात्मकता बहैना किल नैहोके, रंगमञ्चहे जीवित परम्पराके रूपमे सशक्त बनाइ । अन्ततः प्रविधिके सदुपयोग कैके, विशेषतः डिजिटल मञ्चन, सामाजिक सञ्जाल, ओ अनलाइन कार्यक्रममार्फत, युवाहे रंगमञ्चप्रति आकर्षित करना रणनीति निर्माण करे परठ । अइसिन पहलसे नेपाली रंगमञ्चके भविष्य ओज्जार बनाइल बा ओ यिहिन्हे केवल एक ‘विगत’ नैहोके ‘वर्तमान’ ओ ‘भविष्य’ के सांस्कृतिक आधार फेन बनाइल बा ।
नेपाली रंगमञ्चमे पाछेक समय युवाके सक्रियता उल्लेखनीय डेखाइठ । उहाँहुके अपन लगानी, समय, श्रम ओ सिर्जनात्मक ऊर्जासे विविध सामाजिक, सांस्कृतिक तथा समकालीन विषयमे आधारित नाटक मञ्चन करल बा । अइसिन प्रयाससे रंगमञ्चहे नयाँ जीवन डेहल बा ओ युवापुस्ताबिच रंगमञ्चप्रतिके आकर्षण फेन बहल बा । दुःखके बाट उ मञ्चन करल नाटकके लिखित संरक्षण हुइ सेकल नैहो । प्रायः ना टे उ नाटक प्रकाशित हुइठ, ना टे समुचित रूपमे अभिलेख करजाइठ । यिहिन्से कौनो नाटक के लिखल ? कब ओ कहाँ मञ्चन हुइल ? अइसिन आधारभूत प्रश्नके उत्तर समयसँगै हरैटि गैल डेखाइठ । नन टे दस्तावेज ढरना प्रविधिगत व्यवस्था बा, ना टे संस्थागत पहल । यदि अइसिन नाटकके लिखित अभिलेखन ओ संरक्षण नैकरलमे उ सिर्जना इतिहासमे स्थान पाइ नैसेक्के केवल क्षणिक स्मृतिमे सीमित हुइल बा । यिहिन्से नेपाली रंगमञ्चके समग्र विकास ओ अध्ययनके लाग आवश्यक सामग्री गुमैना जोखिम बहठ । टबेभारे युवा मञ्चन करना नाटकहे फेन लिखित रूपमे संरक्षण करना व्यवस्थापन आवश्यक बा, यिहिन्से भविष्यके लाग एक मूल्यवान् सांस्कृतिक सम्पदाके रूपमे काम करि ।
आजके डिजिटल युगमे कुछ युवासे सामाजिक सञ्जालमे नाटक मञ्चनके फोटो वा छोट क्लिप पोस्ट करना चलन बहल बा, मने उ सांस्कृतिक दस्तावेजीकरण सम्भव नैरहठ । उ अभिव्यक्ति क्षणिक, व्यक्तिगत प्रमोसनके लाग सीमित बा ओ वैज्ञानिक, विधिपूर्वक संग्रह वा संरक्षणके मापदण्डमे नैपुणठ । (बाँकी ३ पेजमे)

जरूरी टेलिफोनके प्रायोजक:

हमार यहाँ बौद्लर मूर्गानके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहवी ।

नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम उतिभरीके सुविधा बा ।

प्रो.रमेश चौधरी केभी मासु पसल

बेयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उर्मावि लगे मो. ९८११६३५६८०

एक्जुलेन्स नवबर ९८२४६८९६१७, ९८५८४७००९८, ९८१४६०८०५६, ९८१४६८०००६८, ९८१४६६००२५ प्रहरी

अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ४२९३०१ जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-४२९१५०,१०० वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-४२९६९९,११०

इपिका अतरीया ०९१-४५०१२२ त्रिनागर प्रहरी चौकी ०९१-४२९१८३ जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-४२९१५३

इपिका मसुरिया ०९१-४०२०१४३ इपिका चौमाला ०९१-६९२४०१ इपिका लम्की ०९१-४४०१९९ इपिका भजनी ०९१-४८०१९९ इपिका सुखुड ०९१-४२९१६६ इपिका मालाखेती ०९१-४४०१२२ इपिका फल्चे ०९१-६९०३३० इपिका हसुलिया ०९१-४२९१४४ इपिका पाण्डेन ९०४९०१४९०४ सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-४२९२०६ इपिका टीकापुर०९१-४६०१९९ स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ४२६९२८

बैक

नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२९३२२ नवजिवन बैक ०९१-४२३६४३ कृषि विकास बैक ०९१-४२९२३४ मालिका विकास बैक०९१-४२३७३८ बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-४२३३८६ बैक अफ एसिया ०९१-४२४६४०

नेपाल बलादेश बैक ०९१-४२९०८५ सिटिजन बैक ०९१-४२७४८५ कुमारी बैक ०९१-४२६०३८ सलगाईज बैक ०९१-४२६८४० नेपाल इन्नेसमेन्ट बैक०९१-४२३७०६ एनएमडी बैक लि.०९१-४२९२९६

सरकारी कार्यालय

जिल्ला प्रशासन .०९१-४२९१०१ जिला विकास .०९१-४३२४६० नगरपालीका .०९१-४२९४२९ मालपोत.०९१-४२९२०१, नापी शाखा.०९१-४६०४०२ कृषि विकास .०९१-४२३२४४, भूमि सुधार.०९१-४२९२२४ जिल्ला हुलाक.०९१-४२९४२, नेपाल बाल संगठन: ४२३६६४

अस्पताल

सेती अञ्चल.०९१-४२९२७१ नवजिवन ०९१- ४२९२३३/४२९७३३ विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-४२३४३४ पदमा धनगढी ०९१-४२४०३४ सेवा लर्निङ होम अतरीया ०९१-४४०७१७ एक्जुलेन्स मसुरिया ९०४९०१८०८१ घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०० टीकापुर अस्पताल ०९१-४६०१४०

दमकल १०१ नेपाल रेडक्रस सोसाइटी ०९१-४२९३३३ कैलाली उ.वा.संघ ४२९३३७, ४२३९७१ एम्बुलेन्स : ४२९६०० सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४४४७४४० विद्युत : ४२९१४४ दिनेश मेडल ०९१-४२९३९२

होटल

डिनेटी ०९१-४२३९१८/४२४९३१ जगदम्बा०९१-४२३५४०, बिद्या०९१-४२३७३३ तरुण ०९१-४२३६९३, सनलाईट०९१-४२९४३६ वर्ल्ड लिंक धनगढी :४२०१४१ गेष्टवर्च बहुमुखी क्याम्पस ०९१-४२९०९० नेपाल पत्रकार महासंघ :४२९१२२

शैक्षिक संस्था

कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-४२९२२३ सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-४२३९१२ ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-४२९०७१ राजनैतिक पार्टी

नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ४२४९१४ नेकपा (एमाले) कार्यालय : ४२९०१० सभापति काउन्टर धनगढी : ०९१-४२९२४२ एच.एम

दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ट्ज धनगढी: ०९१-४२६०७१

दैनिक दुई हजार युवा रोजगारी खोज्ति विदेश

काठमाडौं, १७ सावन । वैदेशिक रोजगारीको लागि दैनिक भन्डो दुई हजार युवा विदेश जाँदै । युवाहरू स्वरोजगार बनाउने देशभित्रै ढरना थिई उद्यमी बन्नै नानी, योजना, कार्यक्रम ओ संस्था फेन सरकारसँग बा मने ओकर कार्यान्वयन करना निकाय भर एक वर्षसे नेतृत्वविहीन बा ।

सरकारसे बेरोजगार युवाहरू स्वदेशमे स्वरोजगार बन्नैना उद्देश्यसे स्थापना हुइल युवा तथा साना व्यवसायी स्वरोजगार कोष भन्डो एक वर्षसे प्रमुखविहीन हुइल हो । कोषमे अध्यक्ष युवा तथा खेलकुदमन्त्री ओ कार्यकारी उपाध्यक्ष रहना व्यवस्था बा । २०८१ भदौसे उपाध्यक्ष पद खाली बा ।

कोषमे एक वर्षसे उपाध्यक्ष नैहोके स्वरोजगार बन्न प्रवाह करना कर्जा रोकल ओ बेरोजगारके संख्यामे कमी अइना सहयोग पुगल नैहो । यी प्रकरणसे स्वदेशमे रोजगारी सिर्जना करना बा युवाहरू स्वरोजगार बन्नैना सरकारके कार्यशैलीमे प्रश्न उठल बा ।

युवा तथा खेलकुद मन्त्रालयसे पाँच महिनाआधे उपाध्यक्ष नियुक्तिके लागि कमिटी कैके सिफारिस फेन करल हो । मन्त्रालयके प्रस्ताव सुवासचन्द्र शिवाकोटी गैल फागुनमे उपाध्यक्ष नियुक्तिके लागि सिफारिस कैके मन्त्रीपरिषद पठाइल जानकारी डेलै मने नियुक्ति भर हुइल नैहो । प्रवक्ता शिवाकोटी कलै, “हम्रे

बैतडी समाजसे...

करले बटै । गौरीगंगा ११ स्पोर्ट क्लबसे आयोजना करल रक्तदान कार्यक्रममे ६३ जाने रक्तदान करल क्लबके अध्यक्ष दिनेश कलेल जानकारी डेलै ।

ओस्टके नेपाल रेडक्रस सोसाइटी धनसिंहपुर उपशाखासे समेत रक्तदान कार्यक्रमके आयोजना करले बा । उक्त रक्तदान कार्यक्रममे ३३ जाने रक्तदान करल सभापति रतन टम्टा बटैलै ।

उहे बिच सर्बाधिक सतक रक्तदाता एबम सुदूरपश्चिम प्रदेशके रक्तदान सदभावना दुत दीपक उपाध्याय सम्मानित हुइल बटै । गौरीगंगा ११ स्पोर्ट्स क्लबसे

रंगमञ्चके...

ना ओम्ने मितिके विवरण, लेखन ओ निर्देशनके सटिक अभिलेख रहठ, ना टे अध्ययनयोग्य स्थायी स्वरूप । यी कारण रंगमञ्चके सुसंरचित संरक्षणके लागि सम्बन्धित निकायसे दायित्व बोधसहित योजना, स्रोत ओ समन्वयमे आधारित दीर्घकालीन प्रयास करना अत्यावश्यक बा । मौलिक नाटक लेखनसे ऐतिहासिक मञ्चन, कलाकारके योगदानसमेक अनेकौं पक्ष अभिन व्यबस्थित रूपमे अभिलेखन हुइ सेकल नैहो । अइसिन परिस्थितिमे रंगमञ्चके सक्कु परम्परा भविष्यमे हैरटि खतरा एकडम गम्भीर बा ।

आबके आवश्यकता कलेक रंगमञ्चके सक्कु सामग्रीहे योजनाबद्ध तरिकाले संकलन, वर्गीकरण, संरक्षण ओ प्रवर्धन करना हो । यकर लागि सरकारी, गैरसरकारी, शैक्षिक संस्था, कलाकार समुदाय तथा सञ्चार माध्यम सबके समन्वयात्मक प्रयास अपरिहार्य बा । साभ्ना जिम्मेवारीके रूपमे लेहल अइसिन पहलसे ना केवल हमार नाट्य परम्पराहे पुनर्जीवित करल बा, हमार सांस्कृतिक पहिचानहे फेन बलगर बनल बा । यथोचित पहल करजाइ कलेसे नेपाली रंगमञ्च केवल एक स्मृति नैहोके भविष्यके पुस्ताके लागि प्रेरणा ओ गर्वके अमूल्य सांस्कृतिक सम्पदा बने सेकल बा । नेपाली रंगमञ्चके दस्तावेजीकरण केवल एक सांस्कृतिक आवश्यकता नैहो, यी हमार इतिहास, पहिचान ओ सामूहिक स्मृतिके सुरक्षा हो । हम्रे आज उचित कदम चालल कलेसे रंगमञ्च केवल विगतके गौरव नैहोके भविष्यके प्रेरणाके स्रोत बने सेकि ।

साभार: गोरखापत्र दैनिकसे



उपाध्यक्ष नियुक्तिके लागि तीन जहनेके नाम सिफारिस कैके पठैले बटि । मन्त्रीपरिषदसे नियुक्तिके निर्णय करेपरना हो मने अभिनसम हुइल नैहो ।

मन्त्रालय उपाध्यक्षके लागि सिफारिस करलमे खोटाङके लोकेन्द्र विष्ट, चितवनके अनिलराज पौडेल ओ अर्घाखाँचीके डा. दामोदर भुसाल रहल बटै । कोषमे कार्यकारी उपाध्यक्ष नियुक्तिके लागि २३ माघमे उम्मेदवारके कार्ययोजना प्रस्तुतिपाठो मन्त्रीपरिषद प्रस्ताव दर्ता हुइल रहे मने नियुक्ति भर अभिनसम हुइ सेकल नैहो ।

यी विषयमे युवा तथा खेलकुदमन्त्री तेजुलाल चौधरी कोषमे उपाध्यक्ष नियुक्तिके लागि छ महिनाआधे प्रस्ताव पेस हुइल जानकारी डेलै । उहाँ यी विषयमे प्रधानमन्त्रीसहित उपप्रधानमन्त्री

आयोजना करल रक्तदान कार्यक्रममे उपाध्याय सम्मानित हुइल हुइल ।

अपने स्वयम् १०९ औं चो रक्तदान कैके सयौं व्यक्तिके जीवन बचाइल ओ हज्जारौ व्यक्तिके जीवन रक्षाके लागि अहोरात्र खटके रक्तदान जैसिन मानवीय कार्यमे तल्लिन रहल कहटी उपाध्याय सम्मानित हुइल हुइल । उपाध्यायहे कार्यक्रममे बर्का पहुना गौरीगंगा नगरपालिकाके उपप्रमुख भोज बहादुर बम प्रमाणपत्र सहित सम्मान करल रहिठ ।

तथा अर्थमन्त्री विष्णुप्रसाद पौडेल, गृहमन्त्री रमेश लेखक ओ परराष्ट्रमन्त्री डा. आरजु राणा देउवाहे समेत जानकारी करैले बटु मने निर्णय भर नैहुइल बटैलै ।

कोषमे उपाध्यक्ष नैहोके उपाध्यक्षसे करना सब काम रोकल बा । कोषके कार्यकारी निर्देशक विश्वमोहन अधिकारी वार्षिक ११ हजार जनाहे स्वरोजगार बन्नैना सरकारसे जिम्मा डेले फेन कार्यकारी उपाध्यक्ष नैहोके उ काम रोकल जानकारी डेलै । आव २०८१/८२ मे स्वरोजगार बन्नैना प्रदान करना भन्डो दुई अर्ब कर्जासमेत प्रवाह हुइ नैसेकल उहाँ जानकारी डेलै । एक वर्षसे बेरोजगार युवाहे रोजगार बन्नैना प्रदान करना लगानी कर्जा प्रवाह करे नैसेकना उहाँ जानकारी डेलै ।

कर्जा असुली, अनुगमन निरीक्षणके कामसँगै दैनिक प्रशासनिक कार्य हुइलेसे फेन कर्जा प्रवाहके काम रोकल उहाँ जानकारी डेलै । हालसम एक लाख नौ हजार ३३९ युवामे स्वरोजगार कर्जा लगानी प्रवाह अर्थात् स्वरोजगार सिर्जना करल उहाँ जानकारी डेलै ।

कोष स्थापनासे हालसम १५ वर्षके अवधिमे १४ अर्ब १३ करोड ५८ लाख ३५ हजार स्वरोजगार कर्जा प्रवाह करल बा । कोषसे दुई हजार छ सय सहकारी

ओ २० बैकमार्फत युवामे कर्जा परिचालन करल जनाइल बा । कोषसे बैक तथा वित्तीय संस्थाहे ५.५ प्रतिशत ब्याजदरमे कर्जा उपलब्ध करैना ओ वित्तीय संस्थासे व्यक्तिहे आठ प्रतिशत ब्याजदरमे कर्जा प्रवाह करल बा ।

मनाङ ओ मुस्ताङबाहेकके ७५ जिल्लामे कर्जा प्रवाह करल कोष जनैले बा । कर्जा बिनाधितो वितरण करजाइठ । कोषके अनुसार कर्जा लगानी असुली कार्यविधि अनुसार प्रतिव्यक्ति पाँच लाख रुपियाँसम सुलभ कर्जा पैना व्यवस्था रलेसे फेन कर्जाके अभावसे डेढ लाखसे दुई लाख किल वितरण करना करल बा ।

वार्षिक श्रम बजारमे प्रवेश करल पाँच लाख युवामध्ये कस्तीमे एक लाख युवाहे वार्षिक रूपमे स्वरोजगार बनाके आत्मनिर्भर अर्थतन्त्रके माध्यमसे राष्ट्रके विकास करना कोषके कार्य रहल बा । कोषसे टमान बैकस विपन्न वर्ग कर्जा तीन अर्ब ८२ करोड रुपियाँ लेके बैक तथा वित्तीय संस्थामार्फत स्वरोजगार कर्जा प्रवाह करना करठै । कर्जा प्रवाह करेबेर ६० प्रतिशत उत्पादन ओ ४० प्रतिशत सेवा व्यवसायमे लगानी करेपरना सम्भौता बा । कोषसे ४२ हजार ५६३ जहनहे अभिमुखीकरण तालिम, आठ हजार ४४० हे सीपमूलक ओ संस्थागत छ हजार ७५७ अनुशिक्षण तालिम प्रदान करल कोष जनैले बा । २०८१ चैत

मसान्तसम १६ करोड ८९ लाख ७० हजार ब्याज अनुदान ओ ८० करोड रुपियाँ ब्याज प्राप्त करल कोष जनैले बा । ८१ हजार ५५५ जहनहे बिमा करल बा । २८ हजार ९०४ जहनहे १४ करोड ४५ लाख रुपियाँ कर्जा व्यवस्थापन करल बा ।

अस्टेक एक हजार ३५१ जाने आठ करोड २५ लाख दुई हजार बिमा क्षतिपूर्ति रकम प्राप्त हुइल कोष जनैले बा ।

निड्स नेपालसे कैलारीहे विपद् व्यवस्थापन सामग्री हस्तान्तरण

पहुरा समाचारबाट

धनगढी, १७ सावन । निड्स नेपालसे कैलारी गाउँपालिकाहे विपद् व्यवस्थापन सामग्री हस्तान्तरण कैगिल बा ।

जीवन रक्षाका लागि पूर्व प्रतिकार्य परियोजना अन्तर्गत स्थानीय आपातकालीन संचालन केन्द्र कैलारी गाउँपालिका कैलालीहे विपद् व्यवस्थापन सामग्री हस्तान्तरण कैगिल हो ।

निड्स नेपालके कार्यक्रम संयोजक विनोद कडारा कैलारी गाउँपालिकाके अध्यक्ष राजसमभ चौधरीहे विपद् व्यवस्थापन सामग्री हस्तान्तरण करल रहिठ । स्थानीय आपातकालिन संचालन केन्द्र कैलारीहे लाइफ ज्याकेट १२ सेट, सिटी ६ पिस, टच लाइट ६ सेट, स्ट्रेचर ३ सेट, हेडलाइट ५ सेट, घन/घैटी ४ सेट वितरण करल बा ।

ओस्टेक करके सावल ३ सेट, फरवा ६ सेट, गमबुट ६ सेट, सेफटी हेलमेट ६ सेट, रबर टयुब ४ सेट, हाते माइक २ सेट, डोरी १० मिटर ओ प्राथमिक उपचार बक्सा १ सेट करके जम्मा ९९ हजार ७ सय ५५ रुपया ३६ पैसा मुल्य बराबरके विपद् व्यवस्थापन सामग्री हस्तान्तरण



करल हो । कार्यक्रममे गाउँपालिका अध्यक्ष राजसमभ चौधरी कैलारी डुवान पटान ओ कटानके उच्च जोखिम पालिका रहल ओ सहयोग करइया निड्स नेपालके धन्यवाद जापन करलै ।

कार्यक्रममे वडा नम्बर ४ के वडा अध्यक्ष ठागुराम चौधरी, कैलारी गाउँपालिकाके निमित्त प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत सूर्यप्रसाद चौधरीलागायत सुरक्षा निकायके प्रतिनिधिहुकनके सहभागिता रहे ।

अट्वारी ओ तीजके...

बनाइल बा । प्रतियोगिता नैहुइठ कलेसे कुशल खेलाडी राष्ट्रिय स्तरमे जैना असम्भव रहठ ।

कार्यक्रममे जिल्ला फुटबल संघके सदस्य मनिराम चौधरी खेलकुदसे अनुसन्धानमे टेवा पुगाइल बटैलै । उहाँ कहलै, हमार गाउँघर मजा खेलाडी बटै मने अवसर नैपाइल हुइठ । यी क्लबके आयोजनामे हुइल प्रतियोगितासे वडा नम्बर ४ के लउण्डीफे राष्ट्रिय स्तरमे जैना सफल हुइल बटै ।

कार्यक्रममे कैलारी गाउँपालिकाके

कार्यपालिका सदस्य लालबहादुर बिक, क्लबके खेलकुद संयोजक देवनारायण चौधरी, गाउँक भलमन्सा जगलाल चौधरी खेलकुदसँगै समाज विकासके लागि युवा अग्रसर हुके लागेपरनामे जोड डेहल रहिठ ।

युवाहुकनहे कुलतसे बचैनाफे खेलकुदके महत्वपूर्ण भूमिका रनासमेत चर्चा करल ओइने गाउँस्तरसे राष्ट्रिय ओ अन्तराष्ट्रियस्तरके खेलाडी उत्पादन करे सेक्ना उल्लेख करलै ।

कार्यक्रमके संचालन टेकेन्द्र परियार करल रहिठ । युवाहुकनहे सक्रिय बनाइक लागि प्रत्येक बरस खेलकुद प्रतियोगिता करटी आइल उहाँ बटैलै ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्भौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १९,५५०/- अनिवार्य रूपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैगिक हिंसाको अन्त्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रूपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रूपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौं व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरूपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरूपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।



श्रम तथा रोजगार कार्यालय

धनगढी, कैलाली

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्ट्सहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाइन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

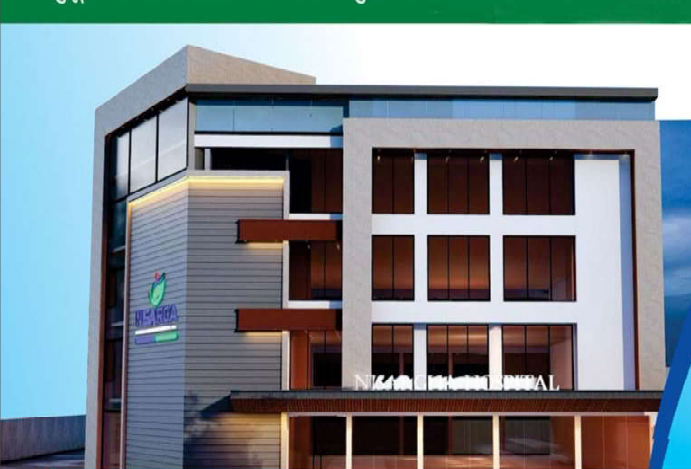


संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४०१०५, सुजित मो. ९८५८४३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९

सुदूरपश्चिम प्रदेशको अत्याधुनिक सुविधा सम्पन्न हस्पिटल



Advanced Healthcare for all...
निसर्ग हस्पिटल
एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा.लि.

विशेषज्ञ डाक्टर तथा ओ.पि.डी सेवाहरू

जनरल फिजिसियन
(पेट, छाती, मुटु) रोग विशेषज्ञ

रेडियोलोजी विशेषज्ञ

न्युरो, गस्त्रिक, नशा तथा मेन्टल रोग विशेषज्ञ

हाडजोर्नी तथा स्पोर्ट्स फिजियोथेरापिस्ट

हाडजोर्नी तथा नशारी रोग विशेषज्ञ

जनरल तथा ल्याप्रोस्कोपिक सर्जन

स्त्री तथा प्रसूति रोग विशेषज्ञ

नवजात शिशु तथा बालरोग विशेषज्ञ

नाक, कान, घाँटी तथा थाइरोइड रोग विशेषज्ञ

एनेस्थेसिया तथा क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ

मुख, अनुहार तथा बङ्गरा विशेषज्ञ

मानसिक तथा नशा रोग विशेषज्ञ

छाला, यीन, कुष्ठरोग तथा सौन्दर्य विशेषज्ञ

मुगौला तथा मुत्ररोग विशेषज्ञ

मुटु रोग विशेषज्ञ

मोटाप रोग विशेषज्ञ

Hasanpur, Dhangadhi-5, Kailali, Nepal

091-527000/01/02, 9865680100, 9804600745

www.nisargahospitalnepal.com / nisargahospitalnepal

डेढ बरससे सञ्चारविहीन कफलकोटवासी

दुध खाइ पैनासे महिला वञ्चित

बैतडी, १७ सावन । बैतडीके दोगडाकेदार गाउँपालिका-२ कफलकोट धुरामे रहल नेपाल टेलिकमके टावर काम कैना छोरल बा । दुई बरस आघे सञ्चालन हुइल यी टावरसे गैल डेढ बरस यहीर काम करे छोरल हो ।

टावरसे काम कैना छोरलसे यहाँके स्थानीय बासिन्दा सञ्चार सुविधासे वञ्चित हुइल बटै । मोबाइलमे नेटवर्क नैअइना ओ इन्टरनेट सेवासे समेत यहाँके बासिन्दा डुर हुइल बटै । टावर स्थापनापाछे खुसी हुइल यहाँके स्थानीय हाल भर निरास बटै । टावर सञ्चालन हुइल छ महिनासम इन्टरनेट ओ मोबाइल सेवा मजसे काम करलेसे फेन डेढ बरससे समस्या हुइल हो ।

यहाँ करिब साढे तीन सय घरधुरी रहल बा । फोन कैना ओ इन्टरनेट सेवाके लाग यहाँके बासिन्दा डाँडा चहना बाध्य रहल स्थानीय कृष्ण भाट बटैलै । उहाँ कहलै, “फोनके लाइन नैआके डाँडा चहुरके फोन करे पर्ना बाध्यता बा । कौनो आकस्मिक कामके लाग कहारो

फोन करे परलमे डेउर समस्या हुइना करल बा ।”

तल्लागाउँ, पातली, सिराड, बसाड, सल्याङलगायत बासिन्दा फोन करक लाग डाँडा चहना करल बटै । फोन ओ इन्टरनेट सुविधा पैना समेत करी रहल स्थानीय प्रताप महारा बटैलै । उहाँ कहलै, “गाउँघरमे फोनके लाइन नैआइल, उपर डाँडामे जाके फोन करे परल, समस्या समाधानके लाग टेलिकम नैसुनल ।”

फोन ओ इन्टरनेट सुविधा नैहोके कफलकोटमे रहल रौलेश्वर माविहे फेन कामकाजमे समस्या हुइना करल बा । विद्यालयके प्रधानाध्यापक नरेन्द्र भाट अनलाइनसे कैना कौनो फेन काम कैना समस्या रहल बटैलै । उहाँ कहलै, “अनलाइनसम्बन्धी काम कैना डेर समस्या बा । कागजपत्र भोलासे बाकके सिल्लेगडा, खोचलेक बजार जाइ पर्ना बाध्यता बा । आकस्मिक फोन करे परलमे उपर डाँडा चहुर परल ।”

टावरसे काम कैना छोरल विषयमे

नेपाल टेलिकम बैतडीहे घरी घरी करलेसे फेन कौनो सुनुवाइ नैहुइल यहाँके स्थानीय बासिन्दा तथा जनप्रतिनिधिके गुनासो रहल बा ।

दोगडाकेदार गाउँपालिका-२ के कार्यालयसे टावरसे काम कैना छोरल ओ समस्या समाधानके लाग लिखित रूपमे टेलिकमहे आग्रह करलेसे फेन हालसम फेन समस्या समाधान हुइल नैहो । टावरमे रहल समस्याके बारेम लिखित ओ मौखिक रूपमे टेलिकम कार्यालयहे जानकारी करैलेसे फेन समस्या हल नैहुइल वडा नं २ के वडाध्यक्ष विष्णुदत्त भट्ट बटैलै । फोन करक लाग यहाँके बासिन्दा डाँडा चहुरना बाध्य बटै । उहाँ कहलै, “टावरमे समस्या रहल बारे लिखित रूपमे फेन आग्रह करले बटी, मने हालसम कौनो सुनुवाइ हुइल नैहो ।”

नेपाल टेलिकम बैतडीके प्रमुख नारायण भट्ट धुरा टावरमे टुजी सुविधा नैरहल ओरसे फोनके नेटवर्कमे समस्या हुइल बटैलै । उहाँ कहलै, “धुरा टावर

फोरजी किल सञ्चालनमे बा । टुजी नैहोके फोनमे समस्या हुइल हो ।”

टुजी थप्ना काम कुछ दिनमे हुइना ओ नेटवर्कके समस्या समाधान हुइना उहाँके दावी रहल बा । उहाँ कहलै, “धुरा टावरमे टुजी थप्ना तयारीमे बटी । भदौ महिनाभितरे टुजी थपब । भदौपाछे फोन करक लाग डाँडा चहुरना बाध्यता नैरही ।”

यकर साथे धुरा टावरमे विद्युतके सिंगल फेज लाइन किल रहल ओरसे फेन समस्या अइना करल उहाँ बटैलै । उहाँ कहलै, “सिंगल फेज लाइन किल रहल ओरसे बिजुली गैल बेला नेटवर्कमे फेन समस्या देखल हो ।” प्रमुख भट्ट धुरा टावर अपग्रेड कैना तयारी रहल फेन बटैलै ।

बाजुरा, १७ सावन । बाजुरामे महिनावारी हुइल महिलाहे गैयाभैंसिके दुध खैना वञ्चित कैटी आइल बा । यहाँके धामीभाँकी महिनावारी हुइल महिलाहे दुध, दही ओ मही डेहलपाछे घरमे अनिष्ट हुइना तथा गैयाभैंस नैबच्चा पैना कना डर डेहटी आइलपाछे उहाँहुके उ चिज खैनासे वञ्चित हुइटी आइल हुइल ।

धामीभाँकीके कारण महिनावारी हुइल महिला दुध, दही ओ मही जैसिन पौष्टिक तत्व खाइ नैपाइल बुढीगंगा नगरपालिका-१०, बडेडाके सीता नेपाली (नाउ परिवर्तन) बटैली । उहाँ कहली, “बिरामी होके अस्पताल जाइबर डाक्टर दुध, दही, मही जैसिन पोसिला खैना चीज खाइ परल कहलै मने घरमे ससुरवाससुइया दुध, दही टे का घरक कोठामे समेत सुटे नैडैलै ।”

बाजुराके स्वामीकार्तिक खापर, जगन्नाथ, बुढीनन्दा, बडीमालिका, गौमूल,

बुढीगंगा, त्रिवेणी, खप्तड छेडेहलगायतके ठाउँमे महिनावारी हुइलर अखे फेन महिला छाउगोठमे बास बैठना करल बटै । ‘छाउपडी कोदोके रोटी सुत्केरी घिउ खानी’ कना उखान यहाँ प्रचलित छ । यहाँ महिनावारी हुइलर सुकखा रोटी ओर सुत्केरी हुइलर घिउ डेजाइल । यहाँ महिनावारी हुइल महिला गैयाभैंस छोलेसे कन्या लवणडी मार्फत सात मुहानके पानी लाने लगाजाइल । उ पानीमे सोन राखके उहे कन्यासे गैयाभैंसिने लहवाइ लगाजाइल ।

यहाँके धामीभाँकी महिनावारी हुइल महिला छाना छुवलमे वहाँ गैयाभैंस नैराखे पना कहिके डर डेहलै । छाना छुवलमे यहाँके स्थानीय छानामे छेगा काटके पूजापाठ कैना करल नेपाली बटैली । बाजुरामे टमान सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थासे छाउप्रथा अन्यके प्रयास करलेसे फेन अखेसम कायम रहल बा ।

कर्मचारी आवश्यकता

प्रथम पटक प्रकाशित मिति २०८२/०४/०८ गते
विज्ञापन नं.१/२०८२/०८३

कर्मचारी पदपूर्ति सम्बन्धी सूचना

यस हस्पिटलका लागि तपसिल बमोजिमका कर्मचारीहरू आवश्यक परेको हुदा इच्छुक तथा योग्यता पुगेका व्यक्तिले यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १० दिन भित्र रित पूर्वको दरखास्त फाराम आहवान गरिन्छ ।

सि.नं.	पद	संख्या	शैक्षिक योग्यता
१.	Medical Officer	४ जना	MBBS विषय उतिर्ण गरेको ।

- * पेश गर्नुपर्ने कागजातहरू :- शैक्षिक योग्यता अनुसारका मार्कशीट, सर्टिफिकेट तथा सम्बन्धित काउन्सिलको नविकरण भएको प्रमाण-पत्र, नेपाली नागरीकताको प्रमाण-पत्र र काम गरेको भए अनुभवको प्रमाण-पत्र साथ दरखास्त पेश गर्नुपर्नेछ ।
- * अनुभवीलाई विशेष ग्राहेता दिईनेछ ।
- * तलब सुविधा :- हस्पिटलको नियमानुसार ।
- * उमेर :- १८ वर्ष पुरा भै ४० वर्ष ननाघेको हुनुपर्नेछ ।
- * परीक्षाको किसिम :- मौखिक ।

थप जानकारीको लागि ०९१-५२७०००/९८६५६८०९००
Email: nisargahospitaldgd@gmail.com

निसर्ग हस्पिटल एण्ड
रिसर्च सेन्टर प्रा.लि.
हसनपुर, धनगढी-५, कैलाली

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराइड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराइड रोगको उपचार तथा परामर्श
- भिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुस्ले, पेट दुस्ले समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुस्ले तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

१४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ८ देखि साँझ ५ बजेसम्म)



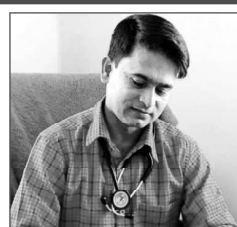
डा. सुमन चौधरी

MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन



धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.
१ (राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) ७ सम्पर्क नं. ०९१-५२०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!



डा. संजयकुमार गुप्ता

एम.बि.बि.एस., एम.डि. (टि.यु.)

इन्टरनल मेडिसिन वरिष्ठ
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन (पेट,
छाती, मुटु, कलेजो, मधुमेह
(सुगर), प्रेसर, तथा थाईराइड
रोग विशेषज्ञ

एन.एम.सी. नं.-१०५६४

डाक्टरद्वारा दिइने स्वास्थ्य सेवाहरू

- मुटु दुखेको, मुटु भारी जस्तो भएको, मुटुको धडकन बढेको ।
- सास लिन गाह्रो हुने, छाती दुख्ने, रुघाखोकी लागेको, खकारबाट रगत देखिने, लामो समयदेखि दमको समस्या भएको ।
- पेट दुख्ने, कोखा दुख्ने, मुखबाट रगत बग्ने ।
- अमिलो पानी आउने, द्याउ-दयाउ आउने, उल्टी हुने, पेट फुलेर खान मन नलाग्ने ।
- पिसाब पोल्ने, रातो पिसाब आउने, कम पिसाब हुने, पिसाब बन्द हुने, राति धेरै पटक पिसाब हुने, खुट्टा सुनिने, पहेलो पिसाब हुने ।
- पेट फुल्ने, हात खुट्टा सुनिने, पेटमा पानी जम्ने, जण्डिस हुने, खाना नरुच्ने, दम हुने ।
- धेरै मोटो हुने, निन्द्रा धेरै लाग्ने, मुटुको धडकन बढ्ने, आँखा बाहिर आउने, मान्छे एकदम पातलो हुने ।
- टाउको दुख्ने, चक्कर लाग्ने, हिँड्दाखेरि लडिबुडी हुने, निन्द्रा नलाग्ने, हिँड्दा खेरि दम हुने ।
- धेरै तिखा लाग्ने, धेरै पिसाब हुने, धेरै खान मन लाग्ने, हातखुट्टा भ्रम-भ्रम गर्ने ।
- सुगर, प्रेसर, थाईराइड रोगको उपचार तथा परामर्श ।
- ज्वरो सम्बन्धी सम्पूर्ण रोगको उपचार ।
- शरीरमा रगत कम हुने, अल्छी लाग्ने, शरीर सुनिने, थाक्ने ।
- बाथ रोग सम्बन्धी उपचार तथा परामर्श ।

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हावा सेवाहरू : १) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याबिन । २) स्त्री रोग तथा प्रसूती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गडबडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेसन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाडडोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठगुठी आउने, शरीरका विभिन्न भागमा गाँठगुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किडनीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेसन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अपरेसन) । ४) हाड(जोर्नी) तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अपरेसन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुछो पनु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा भ्रमभ्रमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडको अपरेसन आदि सेवा ।



कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२९२४९

Empowering Futures through Technical Excellence !

Admission Open!

Certificate in Medical Lab Technology

Three-Year Diploma Program

Entry Requirement

- Min. 2.0 GPA in SEE or equivalent with grades in compulsory mathematics, science, and English. Or
- TSLC in Medical Laboratory Technology with 68.33%

Career Opportunities

- Hospitals and clinics
- Diagnostic and research laboratories
- Blood banks
- Pharmaceutical and biotech industries
- Self-employment in medical labs
- Government jobs

Further Studies and Career

- Bachelor in Medical Laboratory Technology (BMLT)
- Bachelor of Science in Laboratory Medicine
- Bachelor of Public Health (BPH)
- Bachelor of Pharmacy (BPharm)
- Bachelor of Nursing (BSc Nursing)
- B.Sc. in Microbiology/Biochemistry/Biotechnology

Contact Us

ATTARIYA TECHNICAL COLLEGE

GODAWARI-2, ATTARIYA, KAILALI

091-551286 | 9848412999
9742410357 | 9841672834
attariyatc@gmail.com